दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 3 गोरखपुर में भाई-बहन की मौत के बाद... 5 निर्माणाधीन पुल का छत गिर गया 8 कुलदीप यादव ने रिंकू को जड़ा थप्पड़

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 45 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 05 मई,2025

कसान नेता नरेश टिकैत की चेतावनी

मिुजफ्फरनगर में महापंचायत, पगड़ी अपमान पर होगा फैसला, प्रशासन अलर्ट

मुजफ्फरनगर। *भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आज होने वाली महापंचायत में पगड़ी अपमान का मुद्दा उठाया जाएगा। टिकैत ने अपने आवास पर समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह किसानों के मान–सम्मान का मामला है। अगर महापंचायत में समाधान नहीं निकला तो वे अपनी पगड़ी उतार देंगे। भाकियू के जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने प्रशासन को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वालों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। राठी ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो जिले में रेल और बस सेवाएं पूरी तरह से ठप कर दी जाएंगी। टिकैत ने कहा कि किसान अनुशासित हैं।*

सीएम योगी बोले– राज्य में टैक्स चोरी रोकने के लिए कठोरतम कार्रवाई करें, किसी को न मिले अनुचित छूट, दिए ये आदेश

टैक्स चोरी पर सीएम योगी सख्त

लखनऊ। *मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर संग्रह में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि कर प्रणाली में नवाचारों को अपनाएं और ईमानदार करदाताओं को हरसंभव सुविधा और सम्मान दें। मुख्यमंत्री राज्य कर विभाग की समीक्षा कर रहे थे।*

मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि टैक्स चोरी राष्ट्रीय क्षति है और इसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने विभागीय स्तर पर टैक्स चोरी रोकने के लिए कठोरतम और सुनियोजित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में सीएम को बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग ने 1,14,637.54 करोड़ का कर संग्रह किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 1.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नए वित्तीय वर्ष के पहले महीने अप्रैल में 9,986.15 करोड़ का टैक्स मिला। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ जोन जैसे गौतमबुद्धनगर, अयोध्या,

लखनऊ द्वितीय, अलीगढ़, कानपुर प्रथम और झांसी ने अप्रैल में 60 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य अर्जित कर सराहनीय काम किया है। लखनऊ ने 71.66 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है। वहीं कुछ जोन और कॉरपोरेट सर्किल में अपेक्षित संग्रह न होने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी, इटावा, गोरखपुर, कानपुर द्वितीय और आगरा को और मेहनत करने की जरूरत है। इसी तरह मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर और जालौन के कुछ सेक्टरों में भी सुधार के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एडिशनल कमिश्नरों से भी संवाद किया और उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपलब्धता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अधिकारी तकनीक को तेजी से अपनाएं। आईटी टूल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा एनालिटिक्स का उपयोग कर न केवल संग्रहण क्षमता बढ़ाई जाए, बल्कि करदाताओं को सरल और भरोसेमंद अनुभव भी दें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टैक्स चोरी राष्ट्रीय क्षति है और इसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा।

गोरखपुर

GIDA

फ्लैटेड फैक्ट्री में जून से आवंटन

जून से शुरू होगा फ्लैटेड फैक्ट्री आवंटन 80 यूनिटें लगेंगी, दो हजार रोजगार किराए पर देने पर होगा विचार

संवाददाता, गोरखपुर। रेडीमेड गारमेंट उद्यमियों के लिए बनाए गए फ्लैटेड फैक्ट्री में जून से आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसी महीने आयोजित होने वाली बोर्ड बैठक में फ्लैट के पूरी तरह से आवंटन या किराएदारी पर देने के संबंध में नीति तय की जाएगी।

चेंबर आफ इंडस्ट्रीज और लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों ने गीडा सीईओ के साथ बैठक के दौरान 10 रुपये प्रति वर्ग फीट के हिसाब से मासिक किराए देने की मांग की है। जिस पर बोर्ड बैठक में चर्चा होने की संभावना है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) औद्योगिक क्षेत्र में भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की योजना के तहत रेडीमेड गारमेंट की इकाई स्थापित करने के लिए फ्लैटेड फैक्ट्री का निर्माण अंतिम चरण में है।

मई में निर्माण संबंधी सारी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। फ्लैटेड फैक्ट्री एक बहुमंजिला भवन होता है, जिसमें एक साथ कई इकाइयां स्थापित हो सकती है। इस फ्लैटेड फैक्ट्री के निर्माण पर 40 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

गोरखपुर में सनसनीखेज वारदात

गोरखपुर। दोनों बहनों की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी आजमगढ़ जिले के तरवां थाना क्षेत्र के खरिहानी बाजार के कम्हरिया गांव निवासी मनदीप यादव (25) बहन का भतीजा है। वह बड़ी बेटी से विवाह करना चाहता था, लेकिन हमलोगों का यह रिश्ता नहीं मंजूर था। गोरखपुर के सिविल लाइंस इलाके में शुक्रवार दोपहर में रिश्तेदारी के युवक ने एक तरफा प्यार में घर में घुसकर दो सगी बहनों को गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। तीनों को गंभीर हालत में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना पर फोरेंसिक टीम के साथ डीएम, एसएसपी और एसपी सिटी पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ ही परिजनों से मामले की जानकारी ली। इधर, घटना से सिविल लाइंस इलाके में हड़कंप मच गया। दोनों बहनों की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी आजमगढ़ जिले के तरवां थाना क्षेत्र के खरिहानी बाजार के कम्हरिया गांव निवासी मनदीप यादव (25) बहन का भतीजा है। वह बड़ी बेटी से विवाह करना चाहता था, लेकिन हमलोगों का यह रिश्ता नहीं मंजूर था। बताया कि बड़ी बेटी का रिश्ता कहीं और तय कर दिया है।

यूपी के 20 शहरों में बारिश

मथुरा में सड़कें लबालब

लखनऊ। यूपी में एक बार फिर अचानक मौसम बदल गया। सहारनपुर, मथुरा, गाजियाबाद, आगरा, बुलंदशहर समेत 20 शहरों में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हो रही है। मथुरा में सड़कें तालाब बन गईं। घरों, दुकानों और अस्पतालों में दो फीट तक पानी भर गया। अड़ींग कस्बे में लोग अस्पताल में बाल्टियों से पानी निकालते नजर आए। रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) में कमर तक पानी भरा है। इसमें रिक्शा डूब गया। सरकारी बस भी आधी डूब गई।

अस्पताल में भरा पानी, आधी बस डूबी, नोएडा में तूफान, बिजली गिरने से 6 की मौत

नोएडा में तूफानी बारिश हुई है। हवा इतनी तेज थी कि गमले, होर्डिंग , टीनशेड उड़ गए। पेड़ों की टहनियां टूट कर कारों पर गिर गईं। यूपी के कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। 20–25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। 24 घंटे में बिजली गिरने से गोरखपुर, फिरोजाबाद और बस्ती में 2–2 लोगों की मौत हो गई।

एअरफोर्स स्टेशन बक्शी का तलाब लखनऊ में स्वागत करते हुए राज्यपाल महोदया श्रीमती आनन्दी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने।

आंधी–तूफान में उखड़े पेड़

बारिश से सड़कें लबालब जाम ने बढ़ाई मुसीबत

दिल्ली–एनसीआर। *सुबह–सुबह आंधी–तूफान के साथ भारी बारिश हुई। जिसके कारण कई पेड़ उखड़ गए और भारी जलभराव हो गया। दिल्ली–एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में आज सुबह मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी–तूफान और भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। वहीं, भीषण गर्मी से परेशान दिल्ली–एनसीआर में बारिश ने लोगों को राहत दी। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई हिस्सों में आंधी–तूफान के चलते पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए।*

मौसम ने अचानक बदली करवट

पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ली। गोरखपुर देवरिया ओर बस्ती में भारी ओलावृष्टि और बारिश हुई। ओलावृष्टि से चार लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए। वहीं कई गाड़ियों के शीशे भी टूट गए। अचानक शुरू हुई ओलावृष्टि से सड़कों पर बर्फ की चादर पसर गई। आम और लीची की फसल को भी नुकसान पहुंचा है।

गोरखपुर। पूर्वांचल में मौसम ने गुरुवार सुबह अचानक करवट ली। गोरखपुर, देवरिया और बस्ती में तेज गरज–चमक के साथ भारी ओलावृष्टि हुई। गोरखपुर में ओले इतने बड़े और भारी थे कि लोग दहशत में आ गए और सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। 50 से अधिक दोपहिया व चारपहिया वाहनों की हेडलाइट, शीशे व साइड मिरर टूट गए। वज्रपात की चपेट में गोरखपुर में वृद्धा और किशोर तो बस्ती में दंपती ने दम तोड़ दिया।

सम्पादकीय

पाठ्यक्रम से हटाकर इतिहास बदलती सरकार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा लिये गये एक हास्यास्पद फैसले में सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से मुगलों और दिल्ली सल्तनत के अध्याय हटा दिए हैं। भारतीय राजवंशों, महाकुंभ के संदर्भ और मेक इन इंडिया और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी हाल के शासकीय उपक्रमों को नए अध्यायों के रूप में शामिल किया गया है। इसी सप्ताह आई नई पाठ्यपुस्तकों में हुए ये परिवर्तन नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और शालेय शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 के अनुरूप बताये गये हैं। हालांकि एनसीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार यह किताबों का सिर्फ पहला भाग है। दूसरा भाग जल्दी ही आने की उम्मीद है। वैसे अधिकारी यह साफ नहीं कर पाये कि हटाए गए हिस्से दूसरे भाग में शामिल रहेंगे या नहीं। वैसे कोविड–19 के प्रकोप के बाद अध्ययन सामग्री को कम करने के लिये एनसीईआरटी ने भारतीय इतिहास के मुगल काल तथा दिल्ली सल्तनत से जुड़े अध्यायों को पहले से ही संक्षिप्त कर दिया था। इसमें तुगलक, खिलजी, लोदी और मुगल राजवंश के विवरण को संक्षिप्त कर दिया गया था। अब इन्हें पूरी तरह से हटा दिया गया है।

एक और बड़े बदलाव के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान की किताब श्समाज का अध्ययनः भारत और उसके आगे में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर लिखे गये अध्याय शामिल हुए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को भारतीय लोकाचार से परिचित कराना बतलाया गया है। इसी किताब में भूमि कैसे पवित्र बनती है? शीर्षक से एक नया अध्याय जोड़ा गया है। इसमें इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी, हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के लिए भारत और बाहर पवित्र माने जाने वाले स्थानों और तीर्थस्थलों की जानकारी दी गयी है। श्पवित्र भूगोल अध्याय में 12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम यात्रा और शक्ति पीठ जैसे स्थानों का विवरण है। इस पाठ में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का एक उद्धरण शामिल है, जिन्होंने भारत को तीर्थस्थलों की भूमि बतलाया है। नयी पुस्तक के अनुसार वर्ण–जाति व्यवस्था ने प्रारम्भ में सामाजिक स्थिरता प्रदान की परन्तु वह बाद में जड़ हो गई। इसके चलते ब्रिटिश शासन के दौरान असमानताएं पैदा हुईं। इसी वर्ष की 14 जनवरी से लेकर 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ पर एक अध्याय का पुस्तक में समावेश किया गया है जिसमें बताया गया है कि आयोजन में 66 करोड़ लोगों ने भाग लिया। वैसे मेले में हुई भगदड़ का जिक्र नहीं है जिसमें अनेक तीर्थयात्री मारे गए थे और कई घायल हुए। नई किताब में श्मेक इन इंडियाश्, श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश और श्अटल सुरंगश पर अध्याय हैं जो 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आई भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्य हैं। इसमें भारतीय संविधान पर भी एक पाठ है। इसमें उल्लेख किया गया है कि एक समय था जब लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं हुआ करती थी।

गौर से देखा जाये ये परिवर्तन बच्चों को भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किये गये हैं। सम्भव है कि आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से अन्य कक्षाओं में भी ऐसे परिवर्तन देखने को मिलें जो नयी पीढ़ी को एक विशिष्ट तरीके से सोचना सिखायेंगे। एक ओर वह मुस्लिम शासकों के कालखंड को भूल जायेगी तो वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं को केवल हिन्दू शासकों के बारे में बतलाकर आधी–अधूरी जानकारी दी जायेगी। साथ ही उन्हें संकीर्णता भी सिखायेगी। जिन मेक इन इंडिया व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में जगह दी गयी है, वे दोनों ही नाकाम साबित हुए हैं। एक ओर तो भारत का मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर वैसा नहीं बढ़ पाया है जैसा कि दावा किया जाता है, तो वहीं दूसरी तरफ पिछले दशक भर में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई हैं। अपराध सम्बन्धी आंकड़े जारी करने वाली सरकार की ही एजेंसी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का तो यही कहना है। और तो और, भाजपा शासित प्रदेशों में महिलाएं सर्वाधिक असुरक्षित हैं।

पाठ्यक्रम में उपरोक्त बदलाव, खासकर उस उम्र के बच्चों की कक्षाओं का यह बतलाता है कि भाजपा सरकार अत्यंत सुनियोजित ढंग से नयी पीढ़ी को मुस्लिमों के प्रति नफरत की अपनी विचार पद्धति में शामिल कर रही है। उल्लेखनीय है कि मुगल और अन्य इस्लामी शासकों के प्रति घृणा करने वाले संघ–भाजपा द्वारा शाखाओं तथा सोशल मीडिया के जरिये जो कुछ फैलाया जाता है उसका परिणाम ही आज देश में बना हुआ विषाक्त वातावरण है। आने वाले समय में भाजपा को कार्यकर्ताओं की खेप बदस्तूर जारी रहे, उसके लिये ये परिवर्तन किये जा रहे हैं। यदि भावी पीढ़ी भारत को मुस्लिम शासकों के योगदान से अनभिज्ञ होकर केवल भाजपा की दी शिक्षा पर अमल करेगी तो ध्रुवीकरण का खेल उसे जारी रखने में मदद मिलेगी। भाजपा के इन 11 वर्षों के शासनकाल की सारी नाकामियां ढंककर कुछ कार्यक्रमों का महिमा मंडन उन्हें पार्टी व सरकार के प्रशस्ति गान के योग्य बनायेगा। इस सन्दर्भ में जवाहरलाल नेहरू का यह कहना बेहद प्रासंगिक हो जाता है जो कहते थे कि इतिहास अपने हिसाब से आगे बढ़ता है फिर वह किसी को पसंद आये या न आये। बेशक, देश के इतिहास में तत्कालीन परिस्थितियों के अनुसार जो भी घटनाक्रम हुए वे वास्तविकताएं हैं जो भाजपा को नापसंद होने के बावजूद पलटाये नहीं जा सकते। पाठ्यक्रम से कुछ अंश हटा देने के बावजूद वे यथार्थ के रूप में मौजूद रहेंगे। अलबत्ता भारतीय उप महाद्वीप के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कालखंड को पढ़े बिना जो विद्यार्थी शिक्षित होंगे उनका मानसिक स्तर शोचनीय होगा।

अंतरराष्ट्रीय संधियों के निलंबन की कहानी

अगर पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जल्दबाजी में टिप्पणी नहीं की होती या घाटी में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद का वायदा किया होता। अगर पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जल्दबाजी में टिप्पणी नहीं की होती या घाटी में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद का वायदा किया होता, तो कहानी अलग तरह से आगे बढ़ती। शांति का पालन करने के बजाय, उन्होंने प्रतिशोध का रास्ता अपनाया। पाकिस्तान ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि 1960 के निलंबन को युद्ध की कार्रवाई कहा।शायद यह समय निकट अतीत का सबसे बुरा दौर है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोग मारे गये, जो 2000 के बाद से पिछले 25 सालों में सबसे भयानक घटना है। दुनिया ने इसे आतंकवाद की कार्रवाई कहा। इस आतंकी हमले में पाकिस्तान के शामिल होने के प्रथम दृष्टया सुबूतों के आधार पर भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तुरंत पांच सख्त कदम उठाये। इनमें से एक 1960 की सिंधु जल संधि का निलंबन था। पाकिस्तान ने इसे श्युद्ध की कार्रवाईश कहा और फिर 1972 के शिमला समझौते को निलंबित कर दिया, जोशांति का निलंबन है। संयुक्त राष्ट्र ने श्अधिकतम संयमश का आह्वान किया है। कहानी अभी भी चल रही है और कोई नहीजानता कि यह किस ओर मुड़ेगी। अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि वह 22 अप्रैल मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में श्पर्यटकों की जान जाने से चिंतित हैश। तब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि इस घटना से देश का कोई लेना–देना नहीं है। भारतीय अधिकारी, हालांकि, पाकिस्तान के इनकार से संतुष्ट नहीं थे। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दल ने पहलगाम के आतंकवादियों को श्स्वतंत्रता सेनानीश कहा। यहां तक कि पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर में भारत–पाक सीमा पर गोलीबारी का सहारा लिया, जिसका भारतीय बलों ने तुरंत जवाब दिया। यह कहानी अशुभ दिशा में आगे बढ़ रही है जिसका असर दोनों देशों के आम लोगों पर पड़ेगा और उनकी जान और संपत्ति का भारी नुकसान होगा। 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रचार मशीन द्वारा बनाये गये मिथक को ध्वस्त कर दिया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद जम्मू और कश्मीर में श्सब ठीक हैश और उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के प्रत्यक्ष सुरक्षा कवर के तहत सुरक्षित रखा गया है। जम्मू और कश्मीर वास्तव में आतंकवादियों से सुरक्षित नहीं था, क्योंकि आतंकी समूह खुद को शांत रख रहे थे, जबकि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह यह दावा करते रहे कि उन्होंने नागरिकों को प्रदान किये गये मजबूत सुरक्षा कवर के बाद घाटी में शांति बहाल कर दी है। घाटी ने वास्तव में अक्टूबर 2001 के बाद से इस पैमाने पर नागरिकों पर हमले में मौत नहीं देखी है जब 35 लोग मारे गये थे। 2019 का पुलवामा हमला सशस्त्र बलों पर था जिसमें 40 से अधिक जवान मारे गये थे। घरेलू सुरक्षा व्यवस्था की विफलता अब इस आतंकी घटना से साबित हुई है, और इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी के तहत घाटी में शांति, केवल एक मिथक थी, जो उनके हाइपर प्रचार मशीन द्वारा निर्मित था। लेकिन इस विफलता पर पर्दा डालने के लिए मोदी सरकार को एक कवर उपलब्ध है, वह है वर्तमान आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ, और घाटी के साथ–साथ भारत में अलगाववादी और आतंकवादी आंदोलनों में उनकी पारंपरिक भागीदारी। लेकिन यह बाहरी हाथ की बात पर, सुरक्षा के मोर्चे पर मोदी सरकार की विफलता को माफ नहीं किया जा सकता। हालांकि, यह कहानी आगे बढ़ी, सिंधु जल संधि 1960 के निलंबन के साथ, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तीन युद्धों – 1965, 1971 और 1999 में भी बची रही। सिंधु जल संधि का निलंबन अब अतीत से एक प्रस्थान है, और इनमें से एक युद्ध अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के तहत लड़ा गया था। इस प्रकार सिंधु जल संधि को निलंबित करने का पीएम नरेंद्र मोदी का निर्णय महत्वपूर्ण नया घटनाक्रम है।

व्यापार की बदहाली और भारत

भारत जी–20,ंघाई सहयोग संगठन और श्ब्रिक्सश जैसे वैश्विक संगठनों में प्रभावी भागीदार है। अब समय आ गया है कि क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने भारत दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने की दिशा में नेतृत्व करे। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच, भारत को अपनी कूटनीतिक और आर्थिक नीतियों में संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा। कभी राजनीति को समाजसेवा का माध्यम माना जाता था। पिछली सदी में महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, नेल्सन मंडेला, अब्राहम लिंकन जैसी विभूतियों ने नैतिक मूल्यों पर आधारित राजनीति के जरिये सामाजिक बदलाव का कार्य किया, लेकिन अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करने के साथ ही राजनीति की दिशा में अप्रत्याशित परिवर्तन देखने को मिला। जनकल्याण और मानवता की सेवा का माध्यम मानी जाने वाली राजनीति, अब व्यवसायिक हितों को साधने का उपकरण बनती दिखने लगी है ।

डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद कई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। जॉर्डन, इजराइल, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत और यूक्रेन के राष्ट्राध्यक्ष उनसे मिलने श्हाइट हाउसपहुंचे। इन बैठकों का केंद्र बिंदु ट्रम्प का प्रसिद्ध नारा श्मेक अमेरिका ग्रेट अगेनश और उनकी टैरिफ नीतियों की सख्त धमकियां रहीं।

अधिकांश नेताओं ने ट्रम्प की नीतियों पर शांतिपूर्वक संवाद किया, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बातचीत ने अप्रत्याशित रूप ले लिया। ट्रम्प, उनके उपराष्ट्रपति वेंस और जेलेंस्की के बीच जिस तरह की तीखी बहस हुई, वैसी हालिया इतिहास में दुर्लभ है। इस तनावपूर्ण वार्ता ने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी, बल्कि वैश्विक राजनीति में भी नए समीकरणों के संकेत दिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दशकों तक एक–दूसरे के कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस और अमेरिका के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। वहीं, अनुमान के विपरीत, राष्ट्रपति ट्रम्प का चीन के प्रति रवैया भी उतना सख्त नजर नहीं आ रहा। ग्रेट ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के सदस्य देश अमेरिका से धीरे–धीरे दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। श्गाजा पट्टीश से फिलिस्तीनियों को हटाए जाने की आशंका से ग्रस्त मध्य–पूर्व के देशों में भी ट्रम्प प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से न केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों, बल्कि वैश्विक व्यापार पर भी व्यापक प्रभाव पड सकता है। ऐसे में दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था भारत के लिए भी यह परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपनी भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक विविधता और आर्थिक क्षमता के कारण भारत हमेशा से वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। बदलते वैश्विक समीकरण भारत के कूटनीतिक और आर्थिक हितों को सीधे प्रभावित करेंगे, जिससे नई नीतियों और रणनीतियों की आवश्यकता बढ़ जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की नीति संतुलन, बहुपक्षीय सहयोग और आत्मनिर्भरता पर आधारित रही है। वैश्विक व्यापार के संदर्भ में भारत अपनी उपस्थिति लगातार मजबूत कर रहा है, जहां निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है और आयात भी रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुसार जारी है। हालांकि, व्यापार घाटे में असंतुलन एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है। ऐसे में, अमेरिका के द्वारा प्रस्तावित पारस्परिक टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है, जिससे व्यापार संतुलन और आर्थिक वृद्धि पर दबाव बढ़ सकता है। इससे निपटने के लिए भारत ने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते, द्विपक्षीय निवेश संधि और अलग सामाजिक सुरक्षा समझौते को लेकर व्यापार वार्ताएं दोबारा शुरू की हैं। जहां ब्रिटेन ने भारत से कार, व्हिस्की और अन्य वस्तुओं पर शुल्क में कमी का अनुरोध किया है, वहीं भारत ने ब्रिटेन में अपने सेवा क्षेत्र के पेशेवरों के लिए अधिक अवसर और आसान बाजार पहुंच की मांग रखी है। प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर के बीच बातचीत ने दोनों देशों के मध्य व्यापार, ऊर्जा और निवेश में आपसी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। कतर, इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला मध्यस्थ और प्रमुख खिलाड़ी है। भारत में प्राकृतिक गैस की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है, जिससे आने वाले पांच वर्षों में भारत के श्तरलीकृत प्राकृतिक गैसश (एलएनजी) आयात में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारत और यूरोपीय संघश्के बीच व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों पक्ष ने व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर पुनरू वार्ता शुरू की है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के नेतृत्व में कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा, भारत और यूरोप के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक नए महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत को दर्शाती है। भारत और श्यूरोपीय संघश के बीच व्यापार और निवेश, तकनीकी सहयोग, हरित ऊर्जा समाधान, जन–से–जन संपर्क, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में वार्ता जारी है।

यूरोपीय संघश में बढ़ता भारतीय प्रवासी समुदाय बड़ी संख्या में छात्रों, शोधकर्ताओं और कुशल पेशेवरों को शामिल करता है, जो दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत बना रहा है। व्यापारिक पहलों के साथ–साथ, भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान देना होगा। भारत और चीन के संबंध ऐतिहासिक रूप से जटिल रहे हैं। व्यापार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच व्यापक साझेदारी है, लेकिन सीमा विवाद और भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के चलते संबंधों में अक्सर तनाव भी देखने को मिलता है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह इस विवाद का समाधान कूटनीतिक संवाद और समझदारी भरी रणनीति के माध्यम से निकाले, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक सहयोग को मजबूती मिल सके। भारत के कुशल, लेकिन बेरोजगार पेशेवरों के लिए यूरोपीय संघ में रोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि भारत अपने श्कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमोंश की गुणवत्ता में सुधार करे। साथ ही, भारतीय युवाओं को अंग्रेजी के अलावा एक या दो यूरोपीय भाषाएं सिखाने के लिए विशेष संस्थान स्थापित किए जाएं, जिससे उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़े।

देर रात तीन लुटेरों से हुई पुलिस की मुठभेड़, एक घायल– दो गिरफ्तार

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि ये लुटेरे वांछित चल रहे थे। कैंट थाने में लूट के एक मामले में फरार थे। इनके पास से अवैध असलहे और लूट के सामान भी बरामद किया गया है ।

गोरखपुर। गोरखपुर कैंट थानाक्षेत्र के मोहद्दीपुर में बुधवार की देर रात बदमाशों की पुलिस संग मुठभेड़ हो गई। इसमें महराजगंज के पनियरा मुजरी निवासी शंभू प्रसाद के पैर में गोली लगने से वो घायल हो गया। जबकि चिलुआताल के शेखर और धर्मशाला निवासी हुसैन मौके से भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने घेरकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, तीनों देर रात एक ऑटो रिक्शा से मोहद्दीपुर होते हुए शहर में प्रवेश कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि तीनों शातिर लुटेरे किसी अपराध को अंजाम देने शहर में आ रहे हैं। इसी सूचना पर कैंट थानाध्यक्ष संजय सिंह ने मोहद्दीपुर में गस्त बढ़ा दी। इस दौरान एक ऑटो रिक्शे पर कुछ संदिग्ध आते दिखे तो ऑटो को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान तीनों अपराधी ऑटो से कूदकर हाइडिल कॉलेनी की तरफ भागने लगे। इस दौरान फायरिंग भी करने लगे। जवाबी फायरिं में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि दो को पुलिस ने घेरकर मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि ये लुटेरे वांछित चल रहे थे। कैंट थाने में लूट के एक मामले में फरार थे। इनके पास से अवैध असलहे और लूट के सामान भी बरामद किए गए हैं।

मुठभेड़ में घायल लुटेरे के साथ कैंट पुलिस

बालू लादकर खड़े ट्रेलर से भिड़ी बस, एक महिला की मौत

गोरखपुर। दोहरीघाट डिपो की रोडवेज बस प्रयागराज से सवारी भरकर गोरखपुर आ रही थी। गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे के आसपास नौसढ़ चौकी क्षेत्र के बाघागाड़ा के पास पहुंची थी। बताया जा रहा है कि तभी बस चालक को अचानक झपकी आ गई। झपकी से चालक बस का नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े बालू लदे ट्रेलर से टकरा गया।

गीडा थाना क्षेत्र के बाघागाड़ा इलाके में बालू लादकर खड़ी ट्रेलर के पीछे से एक रोडवेज की बस टकरा गई। टक्कर इतना तेज थी कि मौके पर बस में सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नौसढ़ चौकी इंचार्ज ने घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दोहरीघाट डिपो की रोडवेज बस प्रयागराज से सवारी भरकर गोरखपुर आ रही थी। गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे के आसपास नौसढ़ चौकी क्षेत्र के बाघागाड़ा के पास पहुंची थी। बताया जा रहा है कि तभी बस चालक को अचानक झपकी आ गई। झपकी से चालक बस का नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े बालू लदे ट्रेलर से टकरा गया।

दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रेलर

टककर की आवाज सुनकर अगल बगल के गांवों से लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकालने में जुट गए। बस में सवार रिंकी सिंह(45) पत्नी अरुण सिंह, निवासी मुंडेरा धूमनगंज प्रयागराज की मौत हो गई। साथ ही महिला के पुत्र आदर्श सिंह (18) और नितेश सहित अन्य तीन अन्य घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां दो घायलों को हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

यूपी में मौसम एक बार फिर पूरी तरह से बदल गया है

प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है

गोरखपुर। प्रदेश में बदले मौसम के बीच गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं। गोरखपुर में बारिश और तेज रफ्तार हवा के साथ ओले भी गिरे।

बारिश के बीच गिरी बिजली की चपेट में आने से गोरखपुर–बस्ती मंडल में चार लोगों की मौत हो गई। सात अन्य झुलस गए। वहीं, मौसम विभाग ने शुक्रवार को तराई और दिल्ली से सटे 16 जिलों में गरज–चमक के साथ बूंदाबांदी और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के कई जिलों में बादल छाने से पारे में गिरावट दर्ज की गई। मथुरा, लखनऊ में भी सूरज के तेवर नरम रहने से गर्मी से राहत रही। बिजली गिरने से गोरखपुर के सौरभ और सुशील देवी के अलावा बस्ती में राम चरण और चंद्रावती की मौत हो गई।

गोरखपुर में भाई–बहन की मौत के बाद...

मां ने भी तोड़ा दम– 10 वर्ष पहले पिता का भी उठ चुका है साया

गोरखपुर। जहर खाने के बाद गंभीर अवस्था में पुलिस ने मां–बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान युवक की बहन सुप्रिया (14) की बुधवार की शाम को मौत गई। जबकि, मां कौशिल्या की मौत बृहस्पतिवार की सुबह मेडिकल कॉलेज में हो गई। हरपुर–बुदहट थाना क्षेत्र के कूचडेहरि गांव में मां के डांटने से नाराज मोहित कन्नौजिया (18) ने बुधवार को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। बेटे को फंदे से लटका देख उसकी मां और फिर 14 वर्षीय बहन ने भी जहर (सल्फास) खा लिया था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मां–बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान युवक की बहन सुप्रिया (14) की शाम को मौत गई। जबकि, मां कौशिल्या की मौत मेडिकल कॉलेज में हो गई। इस घटना के बाद अब परिवार में सिर्फ बुजूर्ग बाबा बचे हैं। मोहित के बाबा हरिलाल (72) ने बताया कि वो बुधवार को पशु चराने गए थे। लौटे तो दरवाजे पर भीड़ देखकर सहम गए। घटना सुनते ही जमीन पर बैठ गए। वह रोते हुए कह रहे थे कि पता होता तो मैं कभी नहीं जाता। सुप्रिया और मोहित ही मेरे लिए सहारा थे। दिन भर सुप्रिया मेरी सेवा करती थी। बेटे की मौत 10 साल पहले हो चुकी है। पहले बेटे को कंधा दिया, अब पोते–पोती कंधा देना पड़ेगा।

बदल रहा है कुशीनगर–नवागत डीएम ने विकास कार्यों का किया भौतिक निरीक्षण, बुद्ध की लेटी प्रतिमा का किया दर्शन

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने मौके पर जाकर विकास कार्यों की जानकारी ली –

कुशीनगर। महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बृहस्पतिवार अपराह्न पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने समयबद्ध तरीके से मानक और गुणवत्ता के साथ 24 महीने में पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने ठेकेदार और कार्यदाई संस्था के जिम्मेदारों से तय लक्ष्य के साथ काम करने की हिदायत दी।

निर्माणाधीन महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और पर्यटन विभाग की ओर से कराए जा रहे करोड़ों रुपये की लागत से कराए जा रहे विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों को तय समय में गुणवत्ता और मानक के अनुसार काम पूरा करने का निर्देश दिया। इसके पूर्व वह मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में लेटी महात्मा बुद्ध की प्रतिमा का दर्शन किया और ऐतिहासिक व प्राचीनता से रू–ब–रू हुए। कई ऐसी परियोजनाएं हैं जो पर्यटन विभाग के जिम्मेदारों के चलते समय बीतने के बाद भी पूरी नहीं हुई है। कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बृहस्पतिवार अपराह्न पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने समयबद्ध तरीके से मानक और गुणवत्ता के साथ 24 महीने में पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने ठेकेदार और कार्यदाई संस्था के जिम्मेदारों से तय लक्ष्य के साथ काम करने की हिदायत दी।

विश्वविद्यालय की भूमि और मानचित्र का भी अवलोकन किया।

मौजूदा समय में चिह्नित व स्वीकृत भूमि पर 353 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है। कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार वेंसा इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड है। नोडल आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या के कुलपति प्रो.बिजेंद्र सिंह हैं। इसके पहले डीएम ने राजकीय बौद्ध संग्रहालय परिसर में 17 करोड़ से अधिक की लागत से निर्माणाधीन बुद्धा थीम पार्क के कार्यों को देखा।

परियोजना की उपयोगिता, गुणवत्ता और समयबद्ध ढंग से काम कराने को कहा। रामाभार स्तूप व चिल्ड्रेन पार्क में लंबित पड़े 11.97 करोड़ के साउंड एंड लाइट शो के पूरा न होने पर जिम्मेदारों को कड़ी फटकार लगाई।

इसके अलावा बौद्ध कालीन हिरण्यवती नदी के बुद्धा घाट से देवरिया रोड स्थित रामाभार पुल तक के 23.81 करोड़ की लागत से चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का भी भ्रमण कर जायजा लिया। इसे हर हाल में निर्धारित समय 2026 में गुणवत्ता व मानक के साथ पूरा करना होगा।

इस मौके पर सीडीओ गुंजन द्विवेदी, एसडीएम आशुतोष कुमार, तहसीलदार धर्मवीर सिंह, पर्यटन सूचना अधिकारी डा. प्राण रंजन, यूपीपीसीएल के परियोजना निदेशक मनोज शर्मा , सहायक परियोजना निदेशक नीरज पांडेय समेत गणमान्य लोग मौजूद थे।

व्यापारियों से ठगी करने वाले गैंग के दो जालसाज अरेस्ट

असली नोटों के बदले दस गुना नकली नोट देने का देते थे झांसा, गोरखपुर में दो दिन में की 6 लाख की ठगी

गोरखपुर । गुलरिहा पुलिस ने नकली नोट के नाम पर व्यापारियों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के सरगना और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में महराजगंज जिले के शीतलपुर गांव के पूर्व प्रधान गुलाम मुस्तफा और आजमगढ़ जिले के कप्तानगंज इलाके के रमेश राजभर शामिल हैं। दोनों को सोमवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरोह का एक और सदस्य बिहार निवासी सलाउद्दीन फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

2 दिन में 6 लाख रुपये की ठगी

दरअसल, गिरोह ने 2 दिन के भीतर बिहार और आजमगढ़ के व्यापारियों को निशाना बनाकर 6 लाख रुपये की टप्पेबाजी की। 24 अप्रैल को बिहार के डेरनी थाना क्षेत्र के संजीत कुमार राम से पांच लाख और 25 अप्रैल को आजमगढ़ के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के जयहिंद श्रीवास्तव से एक लाख रुपये ठगे गए। दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

15000 असली के बदले 30000 नकली नोट देने का दिया झांसा

ेच सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि बिहार के व्यापारी संजीत कुमार राम को उसके गांव के ही सलाउद्दीन ने गुलाम मुस्तफा से मिलवाया था। पहली मुलाकात गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर कराई गई, जहां मुस्तफा ने 15000 रुपये के बदले 30000 रुपये देने का लालच दिया। असली नोट पाकर व्यापारी का भरोसा जीत लिया गया। इसके बाद गिरोह ने 24 अप्रैल को संजीत को 50 लाख रुपये के नकली नोट दिलाने के बहाने बुलाया। संजीत को महराजगंज के परतावल बुलाया गया, लेकिन भटहट क्षेत्र में ही उसे कार से उतारकर पैदल भेज दिया गया। पिपराइच के अतरौलिया पेट्रोल पंप के पास संजीत को कार में बैठाया गया और कहा गया कि बैग में रुपये रखे हैं, बाहर जाकर गिन लो। जैसे ही व्यापारी गाड़ी से बाहर निकला, आरोपी कार समेत पांच लाख रुपये लेकर फरार हो गए।

आजमगढ़ के व्यापारी से भी की टप्पेबाजी

25 अप्रैल को गिरोह ने आजमगढ़ के जयहिंद श्रीवास्तव को भी निशाना बनाया। आरोपी रमेश राजभर ने जयहिंद को नकली नोट दोगुना दिलाने का झांसा देकर भटहट बाजार बुलाया। यहां आरोपी गुलाम मुस्तफा ने जयहिंद से एक लाख रुपये लेकर बदले में कागज की गड्डी पकड़ा दी और भाग गया।

मास्क पहनकर वारदात करता था सरगना

सिटी ने बताया कि गिरोह का सरगना गुलाम मुस्तफा वारदात के दौरान मास्क पहनकर आता था ताकि उसकी पहचान न हो सके। उसके पास से तीन फर्जी आधार कार्ड, तीन अलग–अलग नंबर प्लेट और एक वैगनआर कार बरामद हुई है। आरोपी कार में नंबर प्लेट बदल–बदलकर घूमता था। पुलिस ने कार को सीज कर दिया है।

जल्द सलाउद्दीन की भी गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी सलाउद्दीन को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह का पूरा नेटवर्क बिहार, महराजगंज और आजमगढ़ तक फैला हुआ था। सलाउद्दीन नए व्यापारियों को बहला–फुसलाकर गोरखपुर लाता था और फिर गिरोह के अन्य सदस्य टप्पेबाजी की घटना को अंजाम देते थे।

तीन साल बाद जंगल से पकड़ा गया नर राजगिद्ध

गोरखपुर के जटायु संरक्षण केंद्र लाया गया चित्रकूट के जंगल से वन विभाग की टीम ने पकड़ा

गोरखपुर। वन विभाग की टीम ने तीन साल की लंबी तलाश के बाद चित्रकूट के जंगल से एक नर राजगिद्ध को पकड़ने में सफलता पाई है। चार दिन पहले टीम इस राजगिद्ध को लेकर कैंपियरगंज स्थित जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र पहुंची। अब केंद्र में संरक्षित गिद्धों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का लोकार्पण छह सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2022 में बना यह केंद्र संकटग्रस्त गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण और प्रजनन के लिए तैयार किया गया है।

पहले मादा गिद्ध पकड़ी गई थीं

वर्ष 2023 में वन विभाग की टीम ने ललितपुर और चित्रकूट के जंगलों में अभियान चलाया। इस दौरान तीन मादा गिद्धों को पकड़ने में सफलता मिली थी, लेकिन नर गिद्ध की तलाश अधूरी रह गई थी।

ललितपुर में नहीं मिला, चित्रकूट में मिली कामयाबी

नर गिद्ध की खोज में इस वर्ष टीम ने पहले ललितपुर में प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद चित्रकूट में गहन सर्च अभियान चलाया गया, जहां एक नर और एक मादा गिद्ध को सुरक्षित पकड़ने में सफलता मिली।

नर गिद्ध को पकड़ना ज्यादा मुश्किल

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नर गिद्धों को पकड़ना मादाओं के मुकाबले कहीं अधिक कठिन होता है। नर गिद्ध ज्यादा सतर्क होते हैं और तेज उड़ान भरने की क्षमता रखते हैं, जिससे उन्हें जाल में फंसाना मुश्किल होता है।

स्वस्थ है लाया गया नर गिद्ध

जटायु संरक्षण केंद्र के प्रभारी डॉ. दुर्गेश नंदन ने बताया कि पकड़ा गया नर गिद्ध पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी उम्र लगभग एक वर्ष है। केंद्र में गिद्धों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है ताकि उनके स्वाभाविक प्रजनन में सहायता मिल सके।

गोरखपुर के माउंटेनियर नीतीश सिंह ने फतह किया 'माउंट फांसिपन'

7 घंटे में सबसे ऊंची चोटी पर फहराया भारत का झंडा

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय युवा पर्वतारोही नीतीश सिंह ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कि है। इस बार नीतीश ने वियतनाम की सबसे ऊंची चोटी माउंट फांसिपन (3143 मीटर) को फतह किया। यह उनकी 6वीं अंतरराष्ट्रीय चोटी थी, और उन्होंने महज 7 घंटों में इस चुनौतीपूर्ण चोटी को पार करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया।

23 अप्रैल 2025 को दिल्ली से वियतनाम के लिए रवाना होने के बाद, नीतीश 24 अप्रैल को वियतनाम पहुंचे और 25 अप्रैल को हनोई शहर पहुंचे। वहां से 26 अप्रैल को वे सापा शहर पहुंचे, जहां एक दिन का प्रशिक्षण लिया और फिर 27 अप्रैल को माउंट फांसिपन की चढ़ाई शुरू की।

कठिन चढ़ाई से भी नहीं टूटा जज्बा

नीतीश ने सुबह 8 बजे नेशनल पार्क तक पहुंचने के बाद अपनी चढ़ाई की शुरुआत की। चढ़ाई के दौरान उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और दोपहर 12 बजे कैंप 1, दोपहर 2 बजे कैंप 2 तक पहुंचे, और अंततः शाम 3रू55 बजे माउंट फांसिपन के शिखर पर पहुँचने में सफलता प्राप्त की। यह पर्वतारोहण अभियान नीतीश के लिए एक ऐतिहासिक पल था, क्योंकि वे भारत के पहले पर्वतारोही बने जिन्होंने माउंट फांसिपन की चोटी को केवल 7 घंटे में समिट किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

नीतीश के इस साहसिक कार्य के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें बधाई दी और उनकी सफलता को प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय बताया। माउंट फांसिपन, जिसे "इंडोचाइना की छत" भी कहा जाता है, वियतनाम का सबसे ऊंचा पर्वत है, और इस पर चढ़ाई करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

समाज को जागरूक करने का दिया संदेश

नीतीश के साहसिक अभियान सिर्फ

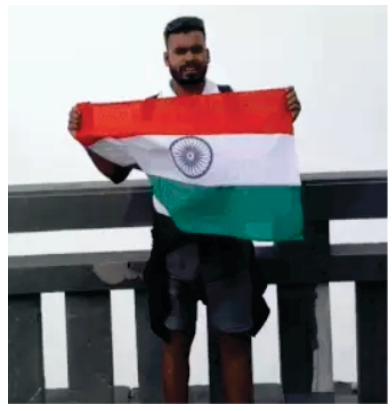

पर्वतारोहण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने इस दौरान कई सामाजिक संदेश भी दिए। उनकी यात्राओं का उद्देश्य न केवल अपने देश का नाम रोशन करना था, बल्कि उन्होंने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने की भी कोशिश की। 2018 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (17598 फीट) पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया, माउंट स्टॉक कांगड़ी (6124 मीटर) पर सर्व शिक्षा अभियान, माउंट रूद्र गैरा (19081 फीट) पर, माउंट किलिमंजारो (19340 फीट) पर थर्ड जेंडर किन्नर समाज के सम्मान का संदेश दिया, और माउंट एलब्रूस (18510 फीट) पर वैश्विक महामारी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

देश के युवा हार नहीं मान सकते

नीतीश के अद्वितीय साहस और समर्पण ने उन्हें एक प्रेरणा का प्रतीक बना दिया है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि अगर मन में संकल्प और मेहनत हो, तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनके इस साहसिक यात्रा से यह भी सिद्ध हुआ कि हमारे देश के युवा किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं।

अभी तक इन मुख्य चोटियों पर लहराया है तिरंगा

2018 में माउंट एवरेस्ट पर 17598जि. बेस कैंप से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया।

2018 लेह लद्दाख स्थित माउंट स्टॉक कांगड़ी 6124 मीटर एवं सर्व शिक्षा अभियान, सब पढ़े सब बढ़े का संदेश दिया।

2019 मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट क्लाइंबिंग में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो (19340जि.) पर तिरंगा फहरा चुके है। यहां से उन्होंने थर्ड जेंडर किन्नर समाज के सम्मान हेतु संदेश दिया।

यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रूस (18510जि.) पर तिरंगा फहरा चुके है। वहां से उन्होंने वैश्विक महामारी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

अफ्रीका महाद्वीप की पांचवी सबसे ऊंची चोटी माउंट मेरु (14980जि.) को फतह किया।

टर्की देश की सबसे ऊँची चोटी माउंट आरारत (16854जि.) को फतह किया है।

गोरखपुर में नाबालिग से दरिंदगी

गोरखपुर। बेलघाट इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ रेप का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने न सिर्फ पीड़िता को बहला–फुसलाकर उसका शारीरिक शोषण किया, बल्कि घटना का खुलासा करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जान से मारने की दी धमकी

दरअसल, 25 अप्रैल को मंझरिया गांव के रहने वाले सुरेंद्र यादव के 23 साल के बेटे संतोष यादव ने नाबालिग लड़की को अपने झांसे में लेकर शारीरिक संबंध बनाए। संतोष यादव ने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने इस घटना के बारे में किसी से भी बात की, तो वह उसे जान से मार डालेगा। इसके बाद डर के कारण लड़की इस घटना को किसी को नहीं बता पाई, लेकिन बाद में उसने अपने भाई को पूरी बात बताई।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पीड़िता के भाई ने 26 अप्रैल को बेलघाट पुलिस थाने में जाकर तहरीर दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ रेप, धमकी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस की तत्परता से शनिवार रात करीब 8:30 बजे आरोपी संतोष यादव को रसूलपुर बाबू मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को कड़ी पूछताछ के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

यूपी के इस शहर में गरजा बुलडोजर

अवैध कब्जों से मुक्त कराई गई नौ एकड़ जमीन

अपर नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने की कार्रवाई हरसेवकपुर में सबसे ज्यादा अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन

गोरखपुर नगर निगम ने अपर नगर आयुक्त के निर्देश पर नौ एकड़ भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया है। हरसेवकपुर में सबसे अधिक भूमि मुक्त कराई गई जिससे नगर निगम का लैंड बैंक बढ़कर 112.73 एकड़ हो गया है। इस कार्यवाही से विकास योजनाओं को साकार करने में मदद मिलेगी और भूमि की उपलब्धता के आधार पर नई योजनाएं तैयार की जा सकेंगी।

संवाददाता, गोरखपुर। नगर निगम ने करीब नौ एकड़ जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई है। इनमें से कोई जमीन परती थी तो कोई चारागाह की। पोखरी आदि की जमीन पर भी लोगों ने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा था।

इनमें से सबसे ज्यादा जमीन वार्ड संख्या 31 के हरसेवकपुर नंबर दो में मुक्त कराई गई है। इस वार्ड में करीब ढाई हेक्टेयर जमीन पर से कब्जा हटाया है। इसके साथ ही नगर निगम का लैंड बैंक बढ़कर 112.73 एकड़ हो गया है।

एक समय था जब नगर निगम के पास अपना कोई लैंड बैंक नहीं होने की वजह से विकास संबंधी योजनाएं मूर्त रूप नहीं ले पा रही थी। काफी संख्या में नगर निगम की जमीनों पर कब्जा था। ऐसे में नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने इस तरह की जमीनों को चिह्नित करने पर कब्जामुक्त करने का कार्रवाई शुरू की गई है।

वार्ड संख्या ती रानीडीहा के खोराबार उर्फ सूबा बाजार में नवीन परती की 0.195 हेक्टेयर जमीन, वार्ड संख्या नौ नकहा के जंगल नकहा नंबर एक में 0.154 हेक्टेयर जमीन, वार्ड संख्या आठ चरगांवा के महुआ में 0.153 हेक्टेयर जमीन, वार्ड संख्या पांच बाबा गंभीरनाथनगर के नौतन में 0.738 हेक्टेयर जमीन, वार्ड संख्या 31 हरसेवकपुर के हरसेवकपुर नंबर दो में 2.346 हेक्टेयर जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया।

घर से युवक खेत में सोने गया, सोते समय डंपर ने कुचला– मौत

गोरखपुर। सोमवार देर रात शहर के चिलुआताल क्षेत्र में एक हादसा हो गया। घर से खेत में सोने गए युवक को डंपर ने कुचल दिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है खनन में डंपर का प्रयोग होता था। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

चिलुआताल इलाके के बैजनाथपुर में सोमवार देर रात करीब 12 बजे खेत में सोए युवक पर डंपर चढ़ गई। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गीडा थाना क्षेत्र के भपसा गांव निवासी रमेश यादव (28) के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, बैजनाथपुर में खनन का काम चल रहा था। जहां रमेश की भी गाड़ी लगी थी। देर रात होने की वजह से रमेश को नींद लग गई और वहीं खेत में ही सो गया। बताया जा रहा है कि रमेश के पटीदार की भी डंपर खनन में लगी थी। जिससे कुचलकर रमेश की मौत हो गई। परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर डंपर के विरुद्ध केस दर्ज कराया है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का गोरखपुर दौरा निरस्त

भाजपा के एक राष्ट्र, एक चुनाव कार्यक्रम में होना था शामिल

गोरखपुर। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार की दोपहर गोरखपुर आने वाले थे। लेकिन उनका दौरा अचानक निरस्त कर दिया गया। सुबह 11 बजे यह सूचना जिला प्रशासन को दी गई है। उनको भाजपा की ओर से गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहना था। उसके बाद विभागीय अधिकारियो के साथ बैठक करने का भी कार्यक्रम था। डिप्टी सीएम दोपहर 12:10 बजे सर्किट हाउस स्थित हेलीपैड पहुंचना था। वहां पार्टी के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट करने का कार्यक्रम था। मुलाकात के बाद 12:30 बजे दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन शामिल होने का कार्यक्रम तय किया गया था। सोमवार को एक बार उनके कार्यक्रम में संशोधन हुआ, उसके बाद कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। प्रशासन ने कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से निरस्त होने की जानकारी दी है।

कार्यक्रम आयोजित होगा कार्यक्रम भाजपा के पदाधिकारी शामिल होंगे

एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी को निरस्त नहीं किया गया है। इस संगोष्ठी में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. धर्मेंद्र सिंह शामिल होंगे।भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, भाजयुमो के पदाधिकारी शामिल होंगे। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति भी रहेगी।

निर्माणाधीन ओवरब्रिज का छत ढहा, आठ मजदूर घायल- बड़ा हादसा होने से बचा

निर्माणाधीन पुल का छत गिर गया

महाराजगंज। पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के गोरखपुर सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मोहनपुर उत्तरी बाईपास पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज सोमवार को देर रात्रि साढ़े ग्यारह बजे अचानक भरभराकर ढह गया। आठ मजदूर घायल हो गए इस घटना से पूरे क्षेत्र में चीख पुकार मच गया।

सूचना पाकर पहुची पुलिस व ग्रामीणों के सहयोग से सभी आठ मजदूरों को आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को मोहनापुर उत्तरी बाईपास निर्माणा पर रेलवे के उत्तरी छोर पर छत लगाने का काम चल रहा था। छत का काम जैसे पूरा होने वाला ही था कि रात्रि साढ़े 11 बजे पूरा छत मलवे के साथ भरभरा कर ढह गया। प्रभारी थाना

पुरंदरपुर धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर भर्ती कराया गया है। उनकी हालत में सुधार बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को मोहनापुर उत्तरी बाईपास निर्माणा पर रेलवे के उत्तरी छोर पर छत लगाने का काम चल रहा था। छत का काम जैसे पूरा होने वाला ही था कि रात्रि साढ़े 11 बजे पूरा छत मलवे के साथ भरभरा कर ढह गया।

नान इंटरलाकिंग के कारण दिल्ली, मुंबई की ट्रेनें हैं कैंसल, 3 मई तक रहेगी समस्या

गोरखपुर। गोरखपुर में नान इंटरलाकिंग के कारण ट्रेनें निरस्त होने से फ्लाइट व बसों पर दबाव बढ़ा है। यात्रियों का दबाव बढ़ने से फ्लाइट का किराया महंगा हो गया है। 29 अप्रैल में एक फ्लाइट का किराया 12 हजार रुपये तक रहा जबकि सामान्य दिनों में लोग साढ़े 4 हजार रुपये में यात्रा कर लेते हैं। लेकिन इस समय दोपहर बाद वाली फ्लाइट का किराया 12 हजार रुपये तक है। हालांकि 3 मई के बाद इसमें अंतर देखने को मिल रहा है।

3 मई के बाद ट्रेनों का संचालन बहाल हो जाने की उम्मीद है। गोरखपुर जंक्शन से छावनी रेलवे स्टेशन के बीच तीसरी लाइन बिछायी जा रही है। उसे यार्ड से लिंक करने के लिए नान इंटरलाकिंग का काम चल रहा है। इसी के चलते 22 दिनों के भीतर 122 ट्रेनों को निरस्त किया गया है। कई ट्रेनों को मार्ग बदलकर चलाया जा रहा है। इस समय गोरखपुर में केवल प्लेटफार्म नंबर एक व 3 से बिहार से आने वाली कुछ ट्रेनों को चलाया जा रहा है। उन्हें भी रिशिड्यूल करना पड़ा है।

16 हजार के पार पहुंच गया कोलकाता का किराया

पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से जिन ट्रेनों को निरस्त किया गया है, उनमें कोलकाता जाने वाली ट्रेनें भी शामिल हैं। गोरखपुर से कोलकाता के बीच फ्लाइट का किराया आमतौर पर 6 से 7 हजार रुपये के बीच होता हे लेकिन ट्रेनों के निरस्त होने से यह किराया 16 हजार रुपये से अधिक हो गया है। इसी तरह बात मुंबई की करें तो वहां के किराए में भी अच्छी–खासी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। मुंबई का किराया 20 हजार रुपये तक पहुंच गया है।

प्राइवेट बसों की बढ़ी मांग

गोरखपुर से दिल्ली व अन्य बड़े शहरों के लिए प्राइवेट बसें भी चलायी जाती हैं। बाघागाड़ा के पास से चलने वाली इन बसों में इस समय सीट खाली नहीं है। दिल्ली जाने वाले अधिकतर लोग ट्रेनें निरस्त होने से इन स्लीपर बसों का सहारा ले रहे हैं। इन बसों में भी आनलाइन सीट बुक करायी जा रही है। कई लोग बस स्टैंड पर पहुंच रहे हैं, उन्हें अधिक किराया देना पड़ा रहा है।

रोडवेज ने की है अतिरिक्त व्यवस्था

रोडवेज ने दिल्ली व लखनऊ रूट पर 100 से अधिक अतिरिक्त बसें लगाई हैं। पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से रोडवेज को भी ट्रेनों के निरस्त होने की सूचना दी गई थी, जिससे यात्रियों की समस्या कुछ हद तक दूर हो सके।

वैशाली, बिहार संपर्क क्रांति जैसी ट्रेनें संचालित हो रहीं

बिहार से दिल्ली की ओर जाने वाली वैशाली, बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर 1 से चलाया जा रहा है। इन ट्रेनों की टाइमिंग 4 बजे के बाद गोरखपुर पहुंचने की है। उस समय तक काफी काम खत्म कर लिया जाता है। शुरू में वैशाली एक्सप्रेस को रिशेड्यूल कर चलाया जा रहा था लेकिन आज यह ट्रेन निर्धारित समय से चल रही है। जनरल श्रेणी से यात्रा करने वाले लोग इन ट्रेनों का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि इनकी जनरल बोगियों में पहले से यात्री बैठे रह रहे हैं। जिससे गोरखपुर मे इंतजार रहे यात्रियों को ट्रेन में बैठने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गोरखपुर में मनबढ़ों ने चलाई गोली

पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर– विवाद की ये वजह बनी जानलेवा

गोरखपुर। आरोप है इसी दौरान छांगुर यादव, मुन्ना यादव, फाकील खान, आशीष जायसवाल और अन्य अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे और गाली देने लगे। विरोध करने पर मनबढ़ों ने पहले ईंट–पत्थर चलाया, फिर गोली चला दी। गोली आशीष के सीने में बायीं तरफ लगी और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े।

चौरीचौरा थाना क्षेत्र के चौरा गांव में रविवार रात 9:30 बजे पुरानी रंजिश में मारपीट के दौरान दो पक्षों में जमकर ईंट–पत्थर चले। इस दौरान मनबढ़ों ने एक युवक को गोली मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को सीएचसी चौरीचौरा में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर देख जिला अस्पताल फिर वहां से बीआरडी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार की देर शाम चौरा गांव के गौतम ठाकुर को शाम को गांव के ही कुछ मनबढ़ युवकों ने मारपीट कर घायल कर दिया था। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी। रात करीब 9रू30 बजे गौतम ठाकुर के बड़े भाई आशीष ठाकुर (26) घर के सामने बैठे थे। आरोप है इसी दौरान छांगुर यादव, मुन्ना यादव, फाकील खान, आशीष जायसवाल और अन्य अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे और गाली देने लगे। विरोध करने पर मनबढ़ों ने पहले ईंट–पत्थर चलाया, फिर गोली चला दी। गोली आशीष के सीने में बायीं तरफ लगी और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास के लोगों के शोर मचाने पर हमलावर भागे।

थाना प्रभारी वेद प्रकाश शर्मा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल युवक को सीएचसी भिजवाया। वहां से प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव भी पहुंचे और मामले की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों के परिवार के कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

पिता का इलाज कराने बिहार गई थी युवती सामूहिक दुष्कर्म–एक आरोपी गिरफ्तार

कुशीनगर। कुशीनगर जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती लकवाग्रस्त पिता का इलाज कराने रविवार को बिहार के गोपालगंज के श्यामपुर गई थी। पिता को लेकर घर आने के लिए वह सासामुसा रेलवे स्टेशन लौटी लेकिन ट्रेन छूट गई। वह प्लेटफॉर्म पर भोर में चार बजे आने वाली ट्रेन का इंतजार करने लगी। लकवाग्रस्त पिता का इलाज कराने गोपालगंज गई कुबेरस्थान थाना क्षेत्र की युवती से सासामुसा रेलवे स्टेशन पर सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोमवार की भोर में दरिंदगी का विरोध करने पर आरोपियों ने युवती को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इस मामले में गोपालगंज पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है, इनमें एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता को पुलिस की सुरक्षा में गोपालगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुशीनगर जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती लकवाग्रस्त पिता का इलाज कराने रविवार को बिहार के गोपालगंज के श्यामपुर गई थी।

पिता को लेकर घर आने के लिए वह सासामुसा रेलवे स्टेशन लौटी लेकिन ट्रेन छूट गई। वह प्लेटफॉर्म पर भोर में चार बजे आने वाली ट्रेन का इंतजार करने लगी। गोपालगंज पुलिस के मुताबिक भोर में करीब तीन बजे पिता को प्यास लगी तो युवती रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित दुर्गा मंदिर के पास नल से पानी लाने गई। इस दौरान वहां मौजूद तीन युवक उसे खींच ले गए।

तीनों युवकों ने युवती से दरिंदगी की और विरोध पर मारापीटा। युवती के चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं हैं।

वारदात के बाद दरिंदे भाग गए। दरिंदों के चंगुल से छूटने के बाद युवती चीखती हुई स्टेशन परिसर में पहुंची और लोगों को जानकारी दी।

इसके बाद लोगों ने सासामुसा जीआरपी को मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी के बाद कुचायकोट थाने की पुलिस भी पहुंची। पीड़िता की निशानदेही पर एक आरोपी अभिषेक बिंद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गोपालगंज पहुंचे घर वाले

लकवाग्रस्त पिता का इलाज कराने गई बेटी के साथ सोमवार की भोर में दरिंदगी की जानकारी के बाद परिवार के लोग गोपालगंज पहुंच गए। उधर, मामले की जानकारी के बाद कुबेरस्थान थाने की पुलिस गांव में पहुंची और आसपास के लोगों से जानकारी ली। गांव के लोगों ने बताया कि गोपालगंज जिले के श्यामपुर में एक डॉक्टर लकवाग्रस्त लोगों का इलाज करते हैं। वहीं पर युवती पिता को लेकर गई थी। सासामुसा रेलवे स्टेशन के पास ही श्यामपुर है।

मोदी या राहुल

किसके खाते में जाएगी जातीय जनगणना की पूंजी? कुरुक्षेत्र के जरिए समझिए सभी समीकरण

दिल्ली। 22 अप्रैल को कश्मीर में 26 से ज्यादा लोगों की जान वाले हुए आतंकवादी हमले के बाद जिस तरह सरकार में उच्च स्तर पर बैठकों का दौर चल रहा था तो लोग सोच रहे थे कि मंत्रिमंडल की बैठक के बाद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ उठाए जाने वाले कुछ और कड़े कदमों की जानकारी मिलेगी, लेकिन जब खबर आई कि केंद्र सरकार अब जातीय जनगणना कराएगी तो पूरा विमर्श ही बदल गया। अपनी चिर परिचित शैली के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पहलगाम के आतंकी हमले से तमतमाए देश को अचानक तब चौंका दिया, जब केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में अगली जनगणना में जातीय जनगणना को भी शामिल करने को हरी झंडी दे दी गई। राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेताओं ने इसके लिए उनके द्वारा सरकार बनाए गए दबाव की जीत बताया तो भाजपा नेताओं ने आजादी के बाद पहली जातीय जनगणना कराने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए यह कहते हुए कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष को कटघरे में खड़ा किया कि अपनी सरकारों के दौरान उन्होंने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। कांग्रेस,सपा,राजद आदि विपक्षी दल इस मुद्दे को भाजपा और संघ परिवार के हिंदुत्व की काट मान रहे हैं तो भाजपा इसे प्रधानमंत्री मोदी का मास्टर स्ट्रोक बताते हुए विपक्ष से उसके सबसे धारदार मुद्दे को छीन लेने का दावा कर रही है। दरअसल, जाति जनगणना मंडल दो की शुरुआत है और यह भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए शेर की सवारी जैसा है, जिस पर चढ़ना आसान है, लेकिन उतरने पर शिकार होने का खतरा भी है। सवाल है कि जातीय जनगणना की राजनीतिक पूंजी मोदी या राहुल किसके खाते में जाएगी।

केंद्र सरकार की इस घोषणा से लोग इसलिए चौंके कि जनता इंतजार कर रही थी कि 22 अप्रैल को कश्मीर में 26 से ज्यादा लोगों की जान वाले हुए आतंकवादी हमले के बाद जिस तरह सरकार में उच्च स्तर पर बैठकों का दौर चल रहा था तो लोग सोच रहे थे कि मंत्रिमंडल की बैठक के बाद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ उठाए जाने वाले कुछ और कड़े कदमों की जानकारी मिलेगी, लेकिन जब खबर आई कि केंद्र सरकार अब जातीय जनगणना कराएगी तो पूरा विमर्श ही बदल गया। टीवी चौनलों में पिछले एक सप्ताह से लगातार बैठे रक्षा विशेषज्ञों पूर्व सैनिक अधिकारियों से माफी के साथ उनकी जगह राजनीतिक विश्लेषकों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को बिठाकर जातीय जनगणना के मुद्दे के अनेक पहलुओं पर चर्चा शुरु हो गई।

जातीय जनगणना की जड़े साठ के दशक में समाजवादियों के इस नारे में हैं कि संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ। समाजवादियों ने जब यह नारा दिया तब कांग्रेस तो इसके विरोध में थी ही, तत्कालीन जनसंघ (भाजपा) और वामदल भी इसके पक्ष में नहीं थे। कांग्रेस के लिए यह नारा उसके सवर्ण अल्पसंख्यक और दलित जनाधार के माफिक नहीं था तो जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे हिंदू समाज को जातियों में बांटने की साजिश मानता था और वामदलों के लिए जाति नहीं बल्कि वर्ग का सवाल केंद्रीय मुद्दा था। 1977 में केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद समाजवादी खेमे(जिसमें लोकदल भी शामिल था) ने अपने वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए मंडल आयोग का गठन किया, जिसकी रिपोर्ट 1980 में तब आई जब केंद्र में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस दोबारा सत्ता में लौट आई थी।

कांग्रेस सरकार ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया और करीब दस साल बाद आठ अगस्त 1990 को विश्वनात प्रताप सिंह की सरकार ने पूरे देश को चौंकाते हुए अचानक मंडल आयोग की सिफारिश के मुताबिक सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्गों को 27 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने यह घोषणा किसी सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण नहीं बल्कि अगले दिन यानी नौ अगस्त को दिल्ली के बोट क्लब पर होने वाली चौधरी देवीलाल, चंद्रशेखर और कांशीराम की रैली में उठने वाली सरकार विरोधी आवाज को बेअसर करने के लिए तत्कालीन सामाजिक अधिकारिता मंत्री रामविलास पासवान और कपड़ा मंत्री शरद यादव के सुझाव और दबाव में की थी, क्योंकि नौ अगस्त की रैली में यह देवीलाल, चंद्रशेखर और कांशीराम मंडल आयोग की सिफारिशें लागू किए जाने की मांग को लेकर एक बड़े आंदोलन की घोषणा करने वाले थे। इसलिए वीपी सिंह का राजनीतिक मजबूरी ने मंडल आयोग का पिटारा खोल दिया।

कांग्रेस ने मंडल आयोग का खुलकर विरोध सड़क से लेकर संसद तक किया, जबकि भाजपा ने मंडल के जवाब में कमंडल को आगे करते हुए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की मांग को लेकर लाल कृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरु कर दी और बिहार में आडवाणी की गिरफ्तारी के बाद वीपी सिंह सरकार का पतन हो गया। दिलचस्प यह है कि संसद में मंडल लाने वाली विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार के खिलाफ कांग्रेस,भाजपा और जनता दल के चंद्रशेखर देवीलाल गुट ने हाथ मिलाया और सरकार गिर गई। इसके बाद देश का राजनीतिक वातावरण बदल गया।

मंडल राजनीति ने सबसे ज्यादा उत्तर भारत को प्रभावित किया और जहां उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव, मायावती और बिहार में लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार जैसे छत्रपों का उदय हुआ तो राष्ट्रीय राजनीति में रामविलास पासवान शरद यादव बेहद अहम हो गए। मंडल के असर ने भाजपा में तत्कालीन संगठन महासचिव केएन गोविंदाचार्य की सोशल इंजीनियरिंग की राजनीति को जन्म दिया। राम मंदिर आंदोलन से उत्तर प्रदेश में 1991 में बनी पहली भाजपा सरकार का मुख्यमंत्री पिछड़े वर्ग के कल्याण सिंह को बनाकर मंडल कमंडल दोनों को साधने की कवायद शुरु हुई। पिछड़े वर्गों से आने वाले विनय कटियार, उमा भारती, शिवराज सिंह चौहान, प्रहलाद पटेल जैसे अनेक नेताओं का भाजपा में कालांतर में उदय हुआ, लेकिन कांग्रेस अपने पुराने ढर्रे पर ही चलती रही और सिमटती गई। उत्तर प्रदेश व बिहार में कांग्रेस मुलायम और लालू की पिछलग्गू हो गई तो मध्य प्रदेश में सुभाष यादव जैसे कद्दावर पिछड़े नेता को मुख्यमंत्री न बनाकर पिछड़े वर्गों को भाजपा की तरफ मोड़ दिया गया।

एक लंबे अरसे बाद पिछले करीब दो साल से राहुल गांधी ने कांग्रेस के पुराने चरित्र और प्रकृति के उलट जातीय जनगणना के मुद्दे को उठाना शुरू किया और इस शिद्दत से उठाया कि वह सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाले तमाम नेताओं से आगे निकल गए और जातीय जनगणना का मुद्दा मुख्य रूप से उनका मुद्दा बन गया। राहुल की इस जिद ने कई पुराने दिग्ज कांग्रेसियों को असहज किया, उनमें से कुछ ने तो अपना रास्ता भी बदल लिया। सड़क से लेकर संसद तक राहुल ने अपने हर भाषण में जातीय जनगणना कराने की मांग करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार को लगातार घेरा, जबकि भाजपा इस मुद्दे पर पहले ढुलमुल रही फिर खुलकर विरोध पर उतर आई। बिहार से जब नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से मिले तो बिहार भाजपा के नेता भी साथ थे। उन्होंने भी इसका समर्थन किया, लेकिन भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने जातीय जनगणना को लेकर अलग रुख रखा। 2021 में संसद में तत्कालीन गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के जवाब में साफ कहा कि केंद्र सरकार का जातीय जनणना कराने का कोई इरादा नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में भी इसी आशय के जवाब केंद्र ने दिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों से पहले जातीय जनगणना की मांग को विभाजनकारी बताते हुए कहा कि उनके लिए देश में सिर्फ चार जातियां हैं महिला, किसान, युवा और गरीब। संघ पदाधिकारियों नें भी समय समय पर जातीय जनगणना को हिंदुओं को बांटने का षड़यंत्र बताते हुए इससे असहमति जाहिर की। योगी आदित्यनाथ ने भी इस मुद्दे को उठाने वालों की मानसिकता पर सवाल उठाए। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने जातीय जनगणना की मांग को राजनीतिक पाप तक कहा, लेकिन राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेता इस मांग को लगातार उठाते रहे। साथ ही एनडीए के घटक दलों में जद(यू) और चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा, अनुप्रिया पटेल, रामदास आठवले जैसे नेताओं ने भी जातीय जनगणना की मांग का समर्थन करते हुए एनडीए के भीतर अपनी आवाज उठाई।

ज्यादा दबाव बढ़ने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रवक्ता सुनील अंबेकर ने कहा कि संघ को जातीय जनगणना से कोई एतराज नहीं, लेकिन इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद जातीय जनगणना को लेकर भाजपा का रुख असहमति का ही रहा, क्योंकि उसे इससे अपने सवर्ण जनाधार की नाराजगी और हिंदुत्व की राजनीति के कमजोर होने का खतरा दिखा रहा था। इसीलिए जब लोकसभा चुनावों में जातीय समीकरणों ने भाजपा की सीटें 303 से घटाकर 240 कर दीं तब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बटोंगे तो कटोगे का नारा देकर हिंदुओं की एकता पर जोर दिया। योगी के इस नारे को संघ का भरपूर समर्थन मिला और महाराष्ट्र चुनाव में सहयोगी दलों खासकर एनसीपी अजित पवार का ध्यान रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नारे को नरम बनाते हुए कहा एक हैं तो सेफ हैं। यहां भी हिंदुओं की एकता पर जोर था। पूरे महाराष्ट्र चुनाव में यही नारा भाजपा के चुनाव अभियान का केंद्रीय नारा था और इसका उसे भरपूर फायदा मिला।

इसके बावजूद राहुल गांधी ने अपनी यह मांग नहीं छोड़ी और उन्होंने कई राज्यों में संविधान बचाओ सम्मेलन आयोजित करके जातीय जनगणना की मांग को लगातार उठाया और संसद में भी यहां तक कह दिया कि हम इसी लोकसभा में सरकार से जातीय जनगणना करवा कर मानेंगे। तब राहुल की मांग और भाषणों को भाजपा और सरकार ने हवा में उड़ा दिया था, लेकिन अब जब अचानक केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना करवाने की घोषणा की है तो सत्ता पक्ष और विपक्ष में इसका श्रेय लेने की होड़ मच गई है। कांग्रेस राहुल और भाजपा नेताओं के पुराने भाषणों का हवाला देकर इस फैसले को अपने दबाव का नतीजा बता रही है तो भाजपा उसे 77 सालों तक न कराए जाने का ताना देकर श्रेय लेने की कोशिश में है। अखिलेश यादव इसे पीडीए की जीत तो तेजस्वी इसे लालू यादव के संघर्ष का नतीजा बता रहे हैं। श्रेय की होड़ के साथ ही अब जातीय जनगणना से भावी राजनीति के स्वरूप में बदलाव को लेकर भी बहस शुरु हो गई है। राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के आगे की बात शुरु कर दी है। उन्होंने निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण संबंधी संवैधानिक प्रावधानों 15(5) को लागू करने और आरक्षण की 50 फीसदी अधिकतम सीमा को बढ़ाने की मांग शुरु कर दी है।हालांकि, जातीय जनगणना जनगणना के साथ एक लंबी प्रक्रिया से पूरी होगी। अभी इसकी कोई समय सारिणी या समय सीमा घोषित नहीं हुई है। विपक्ष इसकी भी मांग कर रहा है, लेकिन अब भावी राजनीति इस प्रमुख मुद्दे के इर्द गिर्द घूमेगी।

भाजपा के सामने चुनौती है कि जातीय जनगणना से लोगों की जो जातीय पहचान मजबूत होगी उसे फिर से हिंदू पहचान में बदलकर अपने हिंदुत्व के छाते को कैसे मजबूत करे, जबकि कांग्रेस के सामने चुनौती है कि आमतौर से कांग्रेस से दूर रहने वाला पिछड़ा वर्ग जातीय जनगणना का श्रेय उसे देकर उसके साथ कैसे जुड़े। सपा राजद लोजपा बसपा जैसे सामाजिक न्याय की राजनीति वाले दल किस तरह इस मुद्दे को अपने पक्ष में भुनाएंगे यह सवाल उनके सामने भी है, लेकिन 1990 का उदाहरण ऐसा है कि राजनीतिक मजबूरी में मंडल लागू करने वाले वीपी सिंह और उनका जनता दल 1991 का लोकसभा चुनाव हार गया और मंडल राजनीति का लाभ उन छत्रप नेताओं को मिला जो पिछड़े वर्गों के भी थे और पिछड़े वर्गों की राजनीति भी करते थे। भाजपा ने भी अगर राजनीतिक मजबूरी में जातीय जनगणना को लागू करने की घोषणा की है तो क्या वह उसका राजनीतिक श्रेय संभाल पाएगी क्योंकि इस मुद्दे पर अतीत में उसके नेताओं के बयान और भाषण विपक्ष का हथियार बनेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खुद पिछड़े वर्ग का होना उसके पक्ष में है और कांग्रेस इसकी काट कैसे कर पाएगी।जातीय जनगणना को अगर मंडल–2 माना जाक्षेत्रए तो तय मानिये कि यह मुद्दा सिर्फ जातियों के आंकड़ों की जानकारी तक ही सीमित नहीं रहेगा। आंकड़े आने के बाद संख्या के मुताबिक राजनीतिक सामाजिक आर्थिक हिस्सेदारी का सवाल उठेगा और बात निजी क्षेत्र और अन्य अनारक्षित क्षेत्रों में आरक्षण देने तक भी जा सकती है। आने वाले दिन राजनीति में बेहद उथल पुथल वाले होंगे और देश के राजनीतिक विमर्श का चरित्र और चिंतन दोनों ही बदलेगा।

फिर ट्रोलर्स के निशाने पर मौनी राय

सर्जरी की दुकान

एंटरटेनमेंट डेस्क। मौनी रॉय अपने नए लुक के चलते एक बार फिर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने तरह–तरह के कमेंट्स किए। हालांकि, उनके समर्थकों को अभिनेत्री का लुक पसंद आया और उन्होंने मौनी की जमकर तारीफ की।

मौनी रॉय अपनी आगामी फिल्म 'भूतनी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच वह एक इवेंट में पहुंचीं। अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें व्हाइट सैटिन की मिनी ड्रेस में नजर आईं। वीडियो के सामने आते ही अभिनेत्री एक बार फिर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गईं। यूजर्स ने उन्हें फिर से सर्जरी और बोटॉक्स कराने को लेकर ट्रोल किया। हालांकि, अभिनेत्री अपने एक हालिया बयान में कह चुकी हैं कि उन्हें इन सब चीजों से फर्क नहीं पड़ता।

यूजर्स ने फिर किया ट्रोल

अभिनेत्री के नए लुक के वीडियो को देखकर ट्रोलर्स ने उन पर एक बार फिर निशाना साधा और सर्जरी कराने की बात कही।

एक यूजर ने लिखा, 'सर्जरी की दुकान' एक अन्य ने लिखा, 'और थोड़े फिलर्स करवा लेती, तभी तो पिलक्स करने की जरूरत पड़ी है।'

एक अन्य यूजर ने लिखा, कूल बनने के चक्कर में बैड लुक आ गया सिर्फ बोटोक्स। अब इनका नाम बोटोक्स गर्ल है।' एक और ने लिखा, 'शरीर पर कुछ भी करते हैं।'

फैंस ने की तारीफ

हालांकि, मौनी रॉय के फैंस को उनका यह लुक काफी पसंद आया। उन्होंने कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफ भी की। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर लग रही हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'बेबी डॉल' एक और यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर।'

ट्रोलिंग को लेकर क्या बोली थीं अभिनेत्री?

मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेत्री मौनी रॉय से जब उनकी ट्रोलिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

मौनी राय की आगामी हारर एक्शन–कामेडी फिल्म द भूतनी 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मौनी भूतनी का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी, बेयूनिक और आसिफ खान मुख्य भूमिका में हैं।

सावी की एंट्री

अब इस किरदार में नजर आएंगी भाविका

एंटरटेनमेंट डेस्क। *टीवी सीरियल गुम है किसी के प्यार में अभिनेत्री भाविका शर्मा की एंट्री को लेकर काफी समय से चर्चा चल रही थी। अब अभिनेत्री का शो से पहला लुक सामने आ चुका है। जानते हैं वह किस किरदार में नजर आने वाली हैं। टीवी सीरियल शुगम है किसी के प्यार में अभिनेत्री भाविका शर्मा की एंट्री को लेकर काफी समय से चर्चा चल रही थी। अब निर्माताओं ने इस पर अपना रुख साफ करते हुए शो से अभिनेत्री का पहला लुक जारी कर दिया है। जानते हैं अभिनेत्री किस किरदार में शो में नजर आएंगी। नई घोषणा ने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है।*

इस किरदार में आएंगी नजर

निर्माताओं ने एक नया वीडियो जारी किया। इस वीडियो में शो की आगामी कहानी, भाविका शर्मा का पहला लुक और कुछ इंटेंस सीन दिखाए गए हैं। क्लिप में अभिनेत्री को एक पुलिस अधिकारी के किरदार में देखा जा सकता है। उनके इस किरदार का परिचय एक क्राइम सीन पर करवाया गया है।

वैभवी हंकारे अब शो का हिस्सा नहीं

निर्माताओं द्वारा दिखाए गए झलक के अनुसार, तेजस्विनी उर्फ वैभवी हंकारे अब 'गुम है किसी के प्यार में' का हिस्सा नहीं होंगी। हालांकि, आगामी एपिसोड में ही इसका खुलासा हो पाएगा। भाविका एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। वह तेजस्विनी की मौत की जांच की जिम्मेदारी संभालेंगी। भाविका के किरदार को लेकर आगे की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

फैंस ने जताई उत्सुकता

निर्माताओं ने जैसे ही प्रोमो शेयर किया। भाविक के फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपनी उत्सुकता जाहिर की। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, 'वाह, ओजी सावी वापस आ गई है। असली स्लेयर मैडम सर टच। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, 'बहुत कम अभिनेत्रियां वर्दी में अच्छी लगती हैं। भाविका उनमें से एक हैं।'

पहले भी निभा चुकी हैं भूमिका

वैभवी हंकारे, परम सिंह और सनम जौहर के मुख्य भूमिका निभाने से पहले भाविका शर्मा 'गुम है किसी के प्यार में' नजर आ चुकी हैं। भाविका ने महिला नायक सावी का किरदार निभाया था। तब सावी एक आईपीएस अधिकारी बनने की तैयारी कर रही थी।

आमिर अली ने अंकिता कुकरेती की तरीफ की

हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए आमिर अली ने अंकिता कुकरेती के बारे में कहा वह कुछ समय के लिए रहस्यमयी लड़की थी। यह मेरे लिए मजेदार था। और सबसे अच्छी बात यह थी कि जिस तरह से उन्होंने साथ में हमारी फोटो ली वह वायरल हो गई। लोगों का काम है, वह हमेशा अटकलें लगाएंगे।

एंटरटेनमेंट डेस्क। *अभिनेता आमिर अली ने दोबारा रिश्ते में होने पर अपनी बात रखी है। उन्होंने अभिनेत्री अंकिता की तारीफ की है और कई दूसरी खास बातें बताई हैं। अभिनेत्री संजीदा शेख के पूर्व पति आमिर अली ने उस वक्त लोगों का ध्यान खींचा जब उन्होंने कहा कि वह एक बार फिर प्यार की तलाश कर रहे हैं। आमिर अली के रिश्ते में होने की अफवाहें उस वक्त उड़ने लगीं जब होली पार्टी में वह अभिनेत्री अंकिता कुकरेती के साथ नजर आए। इसके बाद से बातें बनने लगीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर अली ने अंकिता के साथ रिश्ते में होने पर अपनी राय रखी है।*

संजीदा शेख का कमाल

रुबीना दिलैक ने शेयर कीं हॉट तस्वीरें, लिखा- इश्क और मुश्क छिपाए नहीं छिपते

कुलदीप यादव ने रिंकू को जड़ा थप्पड़

स्पोर्ट्स डेस्क। *भारतीय टीम के लिए साथ खेलने वाले कुलदीप और रिंकू के बीच अच्छी दोस्ती है और यह दोनों खिलाड़ी अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान खुश नजर आ रहे थे। दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मंगलवार को खेले गए आईपीएल मैच के बाद कुलदीप यादव ने केकेआर के खिलाड़ी रिंकू सिंह को थप्पड़ जड़ दिया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, वीडियो देखकर लग रहा कि कुलदीप ने मजाकिया अंदाज में रिंकू के चेहरे पर दो बार थप्पड़ मारे, जिससे केकेआर का यह बल्लेबाज असमंजस में पड़ गया।*

कुलदीप–रिंकू के बीच है अच्छी दोस्ती

भारतीय टीम के लिए साथ खेलने वाले कुलदीप और रिंकू के बीच अच्छी दोस्ती है और यह दोनों खिलाड़ी अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान खुश नजर आ रहे थे।

रिंकू ने दिल्ली के खिलाफ 25 गेंदों पर 36 रन बनाए, लेकिन लेग स्पिनर विपराज निगम ने उन्हें आउट किया। रिंकू पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे थे, लेकिन अभिषेक नायर के केकेआर से जुड़ने के बाद रिंकू की बल्लेबाजी में सुधार देखने मिला। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कुलदीप ने रिंकू को थप्पड़ क्यों मारा, लेकिन रिंकू के साथ ही सोशल मीडिया पर प्रशंसक भी कुलदीप के इस व्यवहार से हैरान दिखे।

कुलदीप ने जब दो बार रिंकू को थप्पड़ मारा को उनकी प्रतिक्रिया हैरान भरी थी। इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ फैंस ने कुलदीप की आलोचना की है।

केकेआर ने जीवंत रखी प्लेअश्रफ की उम्मीदें

मैच की बात करें तो केकेआर ने दिल्ली को 14 रनों से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी है। गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए। जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई।

दिल्ली ने इस सत्र में अब तक कुल चार मुकाबले अपने घर में खेले हैं। इनमें उन्होंने तीन मैच गंवाए जबकि एक में उन्हें सुपरओवर में जीत मिली है। वहीं, घर से बाहर अक्षर पटेल की टीम ने छह में से पांच मुकाबले जीते, जबकि एक में उन्हें शिकस्त मिली है।

मंगलवार को इस जीत के साथ कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की आस बरकरार रखी है। उनके खाते में नौ अंक हो गए और उनका नेट रन रेट 0.271 हो गया है। वहीं, दिल्ली 12 अंक और 0.362 का नेट रन रेट लेकर चौथे स्थान पर है।

टी20 में एक टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने सुनील नरेन

स्पोर्ट्स डेस्क। नरेन लंबे समय से आईपीएल में केकेआर टीम का हिस्सा हैं और केकेआर की सफलता में उनका बड़ा योगदान है। नरेन केकेआर के लिए अब तक 208 विकेट ले चुके हैं जो टी20 में किसी टीम के लिए एक गेंदबाज का संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन टी20 क्रिकेट में किसी एक टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में नॉटिंघमशायर के समित पटेल की बराबरी कर ली है। केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला गया जिसमें केकेआर ने 14 रनों से जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें जीवंत रखी।

नरेन ने दिल्ली के खिलाफ झटके तीन विकेट

गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए।

जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट

खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई। इस मैच में नरेन ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट और टीम को मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। नरेन ने इसके साथ ही टी20 में बड़ी सफलता अपने नाम दर्ज कर ली।

टी20 में एक टीम के लिए 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज

नरेन लंबे समय से आईपीएल में केकेआर टीम का हिस्सा हैं और केकेआर की सफलता में उनका बड़ा योगदान है। नरेन केकेआर के लिए अब तक 208 विकेट ले चुके हैं जो टी20 में किसी टीम के लिए एक गेंदबाज का संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट है। नरेन ने इस मामले में समित की बराबरी की जिन्होंने नॉटिंघमशायर के लिए 208 विकेट लिए हैं। नरेन एक विकेट लेते हुए समित से आगे निकल जाएंगे। नरेन और समित दो ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पुरुष टी20 क्रिकेट में एक टीम के लिए 200 से अधिक विकेट लिए हैं।

चहल को पीछे छोड़ा

नरेन आईपीएल में लक्ष्य का बचाव करते हुए सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ दिया है। नरेन के लक्ष्य का बचाव करते हुए 79 विकेट हो गए हैं, जबकि इस दौरान चहल ने 78 विकेट लिए हैं। आईपीएल में लक्ष्य का बचाव करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भुवनेश्वर कुमार के नाम है जिन्होंने इस दौरान 103 विकेट लिए हैं।

चंपक रखने पर फंसा बीसीसीआई

एआई रोबोट डाग का नाम

प्रकाशक की अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

स्पोर्ट्स डेस्क। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि चंपक हमेशा से एक मौजूदा ब्रांड नाम रहा है और बीसीसीआई को चार सप्ताह के भीतर याचिका के जवाब में अपना लिखित जवाब दाखिल करने को कहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने आईपीएल में एआई रोबोट डॉग का नाम श्चंपकश रखने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने बच्चों की प्रसिद्ध पत्रिका चंपक की अर्जी पर सुनवाई करते हुए बीसीसीआई से जवाब मांगा है। चंपक पत्रिका ने एआई रोबोट डॉग का नाम चंपक रखने पर आपत्ति जताई है और इसे कथित तौर पर ट्रेडमार्क नियम का उल्लंघन बताया है।

चार सप्ताह के भीतर मांगा जवाब

न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि चंपक हमेशा से एक मौजूदा ब्रांड नाम रहा है और बीसीसीआई को चार सप्ताह के भीतर याचिका के जवाब में अपना लिखित जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई नौ जुलाई को तय की है। यह याचिका दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर की गई है जो 1968 से चंपक पत्रिका का प्रकाशन कर रही है।

बीसीसीआई के वकील ने जताया विरोध

प्रकाशक की ओर से पेश अधिवक्ता अमित गुप्ता ने कहा कि रोबोट डॉग का नाम चंपक रखना उसके पंजीकृत ट्रेडमार्क का उल्लंघन है और साथ ही इसका व्यावसायिक दोहन भी है, क्योंकि चंपक एक जाना–माना ब्रांड है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से पेश हुए सीनियर वकील जे साई दीपक ने इस याचिका का विरोध किया। उनका कहना था कि चंपक एक फूल का नाम है और लोग रोबोट डॉग को पत्रिका से नहीं, बल्कि टीवी सीरीज के एक पात्र से जोड़ रहे हैं। सुनवाई के दौरान जज ने मौखिक रूप से कहा कि क्रिकेटर विराट कोहली का निकनेम चीकू है, जो चंपक मैगजीन के किरदारों में से एक है।

वनडे में सर्वाधिक दोहरे शतक से लेकर दो आईसीसी खिताब दिलाने तक, ऐसा है रोहित शर्मा का करियर

स्पोर्ट्स डेस्क। हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित ने जून 2007 में पहला वनडे खेला था। उसी साल उन्हें सितंबर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू करने का मौका मिला था। हालांकि, रोहित को टेस्ट मैच खेलने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारत को अपनी कप्तानी में दो आईसीसी खिताब दिला चुके रोहित सीमित ओवर प्रारूप के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित ने जून 2007 में पहला वनडे खेला था। उसी साल उन्हें सितंबर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू करने का मौका मिला था। हालांकि, रोहित को टेस्ट मैच खेलने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्होंने 2013 में पहला टेस्ट मैच खेला था।

वनडे–टेस्ट में संभाल रहे कमान

भारतीय टीम ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। यह टीम इंडिया का 2013 के बाद पहला आईसीसी खिताब था। इसके बाद भारतीय टीम ने इस साल मार्च में रोहित की कप्तानी में ही आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। इस तरह रोहित एक से अधिक आईसीसी टूर्नामेंट दिलाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन गए थे। रोहित ने टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था, लेकिन अभी भी वह वनडे और टेस्ट प्रारूप में भारत की कमान संभाल रहे हैं।

वनडे में तीन दोहरे शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी

रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में 209 रन बनाए थे। उसके बाद 2014 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन की पारी खेली थी। वहीं, 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मोहाली में नाबाद 208 रन बनाए थे।

एक विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक

रोहित शर्मा किसी एक वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2019 विश्व कप में पांच शतक लगाए थे। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साउथम्पटन में नाबाद 122, मैनचेस्टर में पाकिस्तान के खिलाफ 140, बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ 102, बर्मिंघम में बांग्लादेश के खिलाफ 104 और लीड्स में श्रीलंका के खिलाफ 103 रन की पारी खेली थी। हालांकि, उनके पांच शतक के बावजूद टीम इंडिया विश्व कप नहीं जीत पाई थी। वह सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई थी।

सर्वाधिक आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ी

रोहित शर्मा छह बार आईपीएल चैंपियन टीम का हिस्सा रहे हैं। वह छह आईपीएल जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2009 में डेक्कन चार्जर्स की टीम के लिए खेलते हुए आईपीएल जीता था। उसके बाद मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी के रूप में 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल जीता। रोहित शर्मा सबसे ज्यादा आईपीएल जीतने वाले कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम पांच बार चैंपियन बनी है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।